opened fire, one person was injured and all the three persons escaped in their car. The third incident is in Haryana where five terrorists attempted to loot a petrol pump The police interferred and shot at them and all the five persons have been arrested. These are the persons who have been given training in Pakistan. Pakistan is selling arms and ammunition in the open market. They acquire these arms, loot the banks, take the money and purchase arms and ammunition with that money. They are trying to use these terrorists for the purpose of destabilisation in India Therefore, I would urge upon the Home Minister to wide the intelligence network to locate the terrorists and eliminate them. I would also request the Finance Minister to take steps to give extra precautionary measures and assistance to the bank guards and the bank managers for the purpose of safeguarding the banks in the northern part of the country.

THE INDIAN MEDICAL COUNCIL (AMENDMENT) BILL, 1987—Motion for Reference of Bill to Joint Committee

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB) : Mr Vice-Chairman, Sir, I beg to move :—

"That in the motion for reference of the Indian Medical Council (Amendment) Bill, 1987, to a Joint Committee, adopted by this House on the 14th December, 1987, the following amendments be made :—

(i) that the strength of the Joint Committee be increased from 30 to 45 members, 15 from Rajya Sabha and 30 from Lok Sabha;

(ii) that the following additional members of Rajya Sabha be appointed on the Joint Committee

1 Shri S. S. Ahluwalia
2. Shri Mahendra Prasad
3. Kumari Sayeeda Khatun
4. Shri Pramod Mahajan
5 Shri Virendra Verma; and

(iii) that a revised message be sent to Lok Sabha for its concurrence."

The question was put and the motion was adopted.

DEMAND FOR DISCUSSION ON MANDAL COMMISSION REPORT

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आप एक मिनट मेरी बात सुन लीजिये । माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी जैकब साहब बैठे है, उस दिन उन्होंने मुझको आश्वासन दिया था कि मण्डल कमीशन और माइनार्टीज कमीशन के बारे में हम कुछ बहस के लिये अरेंजमेंट करेंगे और 30 सदस्यों ने हस्ताक्षर कर के कालिंग अटेंशन नोटिस भी दिया था, इसलिये मैं चाहता हूं कि किसी तरह से इस सत्र में इस पर बहस हो जाये । इसका कुछ मंत्री जी जवाब दें । उस दिन यह आश्वासन इन्होंने आपके सामने दिया था । आपने भी कहा था, आपकी फीलिंग्ज पहुंच देंगे ।

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : फीलिंग्ज तो पहुंचा दी गई है ।

श्री राम अवधेश सिंह वे बहस कराने के लिये बोल सकते है । **(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : वह नहीं बोल सकते है, वह कैसे बोल सकते है । **(व्यवधान)**

श्री राम अवधेश सिंह आप कल बहस करा दीजिये । मेरी बात सुन लीजिये । **(व्यवधान)** ऐसे अनसुनी करने से हम भी आपकी अनसुनी कर देंगे । जब आप हमारी बात नहीं सुनेंगे और इतने लोगों की बात है, जिसमें 69% लोगों की भावना की बात है, तो हम को आपकी भी अनसुनी करना पड़ेगा । अब आप हमारे खिलाफ दण्ड बोल दीजिये । कोई सजा दीजिये **(व्यवधान)**

[श्री राम अवधेश सिंह :]

मंत्री जी से आप बात करवा दीजिये, इनसे कहलवा दीजिये, आश्वासन दिलवाइये । वे अपने आश्वासन को पूरा नही कर रहे हैं। (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप चेयरमैन से कहिये । यह आपका काम है। व्यवधान

श्री राम अवधेश सिंह संसदीय कार्य मन्त्री से आप बोलिये ।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. M JACOB) : Sir, what I suggested was that he could go before the Chairman and place the position before him.

श्री राम अवधेश सिंह : तो आप कहिये कि हम टाइम बढाने के लिये तैयार हैं।

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप जानते है कि प्रोमीजर क्या है ?

श्री राम अवधेश सिंह : प्रोसीजर तो मै जानता हूं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप वर्मा जी से पूछ लीजिये कि क्या प्रोसिजर है ।

व्यवधान

श्री राम अवधेश सिंह : हाऊस का दबाव, मेरा दबाव नही, व्यक्तिगत दबाव नही (व्यवधान)। छ. घंटे तक एक स्पेशल मेंशन पर बहस हुई है और यह कालिंग अटेंशन जिस पर 30 सदस्यों ने हस्ताक्षर किये है, उस पर सरकार. . .

(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप मेहरबानी करके बैठ जाइये।

श्री राम अवधेश सिंह : मै महोदय, नही बैठूंगा ।

श्री बो. सत्यनारायण रेड्डी (आन्ध्र प्रदेश) : उनका आपको सुनना चाहिये। (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप बैठ जाइये ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैने बात की है, सरकार से कि हम इस पर बहस कराना चाहते हैं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप मेहरबानी करके बैठ जाइये ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं नहीं बैठूंगा ।

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : मेरी बात नही मानेंगे, आप ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं नहीं बैठूंगा। मैं नही मानूंगा। (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : यह ठीक नही है, मैं आपको वार्निंग देता हूं। अगर आप इस तरह से करेंगे, तो मुझे कोई एक्शन लेना पड़ेगा।

श्री राम अवधेश सिंह : जो एक्शन लीजिये, हम तैयार है। हम सरकार से चाहते है, सरकार क्यो नही बोलती है ।

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप बैठ जाइये, मैं खडा हू ।

श्री राम अवधेश सिंह : मै नही बैठूंगा। (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : यह क्या है, आप इस तरह से बर्ताव नही कर सकते । यह हाऊस है । आप बैठ जाइये, मैं आपको बोलता हू । It is very bad.

श्री राम अवधेश सिंह : मै अपनी आवाज उठाऊंगा। हम बोलेंगे। (व्यवधान) हम यहा अपनी आवाज उठाने के लिये आये है। हम यहां भत्ता लेने के लिये नहीं आये हैं । व्यवधान

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EXPENDITURE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI B. K GADHVI): The hon. Member goes on challenging the authority of the Chair It is highly deplorable. When the Chair directs, he does not obey.

SHRI VIRENDRA VERMA (Uttar Pradesh): He has obeyed.

श्री राम अवधेश सिंह : लेकिन मेरी बात भी सुनिये । आप मेरी बात सुनिये (व्यवधान) यही तो मैं कह रहा हूं । आप कुछ क्यो नहीं कहते है । गरीबो की बात यहां नही सुनी जाती है । (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : मिस्टर थी०एम० जाधव प्लीज़ ।

श्री राम अवधेश सिंह : आप हमारी बात सुनिये । (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप बैठ जाइये, यह तरीका ठीक नहीं है । यह तरीका नही है पार्लियामेंट मे बोलने का ।

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : (महाराष्ट्र) . मंत्री महोदय ने जो वित्त विधेयक पेश किया है, मै उसका समर्थन करता हूं ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं जो सवाल उठा रहा हूं (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : Whatever you say will not go on record.

श्री राम अवधेश सिंह:*

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : चेयरमैन तो डिसाइड करेंगे ।

श्री राम अवधेश सिंह :*

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : Let him meet the Chairman. The Chairman will decide it.

श्री राम अवधेश सिंह :*

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : आप बैठ जाइये, यह ठीक बात नही है । यह कोई तरीका नही है पार्लियामेंट मे काम करने का ।

श्री राम अवधेश सिंह :*

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) : सरकार की जिम्मेदारी नही है । आपको चेयरमैन को बताना पड़ेगा । अगर वह नही करते है तो खत्म हो जाएगा । I cannot direct the Government. You go and meet the Chairman. That is all.

श्री राम अवधेश सिंह :*

उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) । सुन लिया है । आपकी बात मै नही बोल सकता ।

I. STATUTORY RESOLUTION SEEKING DISAPPROVAL OF THE FINANCE (AMENDMENT) ORDINANCE, 1987—Contd.

II. THE FINANCE (AMENDMENT) BILL, 1987—Contd.

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : (महाराष्ट्र) उपसभाध्यक्ष महोदय, जो वित्त विधेयक मंत्री जी द्वारा पेश किया गया है मैं उसका पूरी तरह से समर्थन करता हू । जब हम इस वर्ष की तरफ देखते हैं तो पता चलता है कि हमारे देश में इतना अधिक सूखा पडा है कि इससे पहले 100 वर्ष में भी इस प्रकार का सूखा नही पड़ा । मुझे बड़ी खुशी है कि पहली बार हमारी सरकार ने इस सूखे की समस्या की तरफ बहुत अच्छी तरह से ध्यान दिया है । उसका मतलब यह नहीं है कि पहले हमने कभी ध्यान ही नही दिया । मगर जहां भी सूखा हुआ है, विशेषकर राजस्थान में और गुजरात में जो सूखे की हालत है वह बहुत गम्भीर है । गये चार-पांच साल मे बहुत सूखा पड़ा हुआ है, हमारे महाराष्ट्र में गये तीन साल मे सूखा पड़ा हुआ है । मगर इस साल 2-3 डिस्ट्रिक्ट्स को छोड़कर हालत अच्छी है । पीने के पानी की समस्या, जानवरों के चारे की समस्या और अन्य बहुत सी समस्याएं इस सूखे ने खड़ी कर दी हैं । मैं आपके

*Not recorded.